Baba’s Praise

18/2/2015

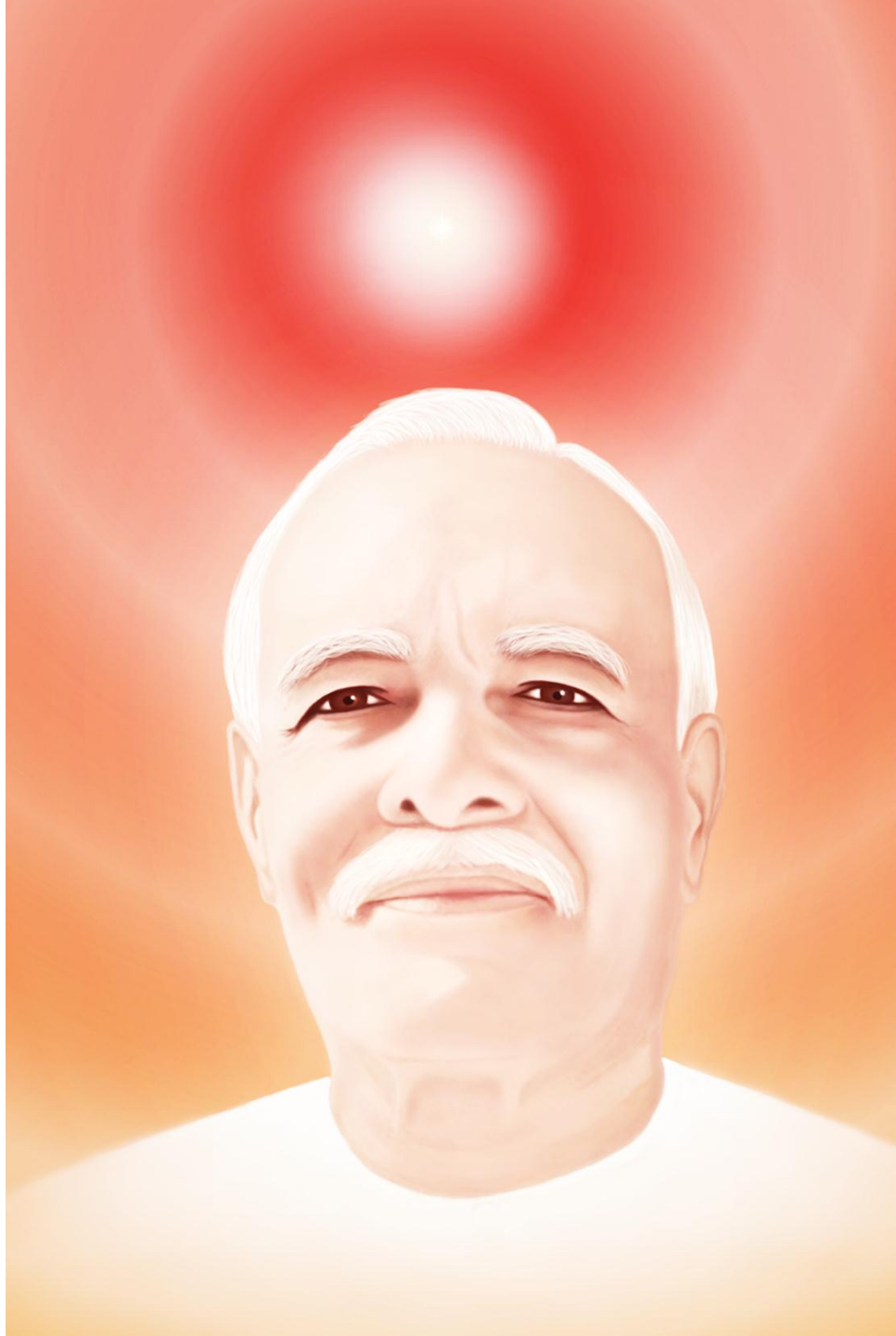

- भगवानुवाच, मुझे याद करो, मैं ही **पतित-पावन** हूँ ।

- बाप बैठ **बीज और झाड़ वा ड्रामा चक्र का राज** समझाते हैं ।

- विचार करना है, उनको **भोलानाथ भगवान** क्यों कहा जाता है? भोलानाथ भगवान कहने से बुद्धि ऊपर चली जाती है ।

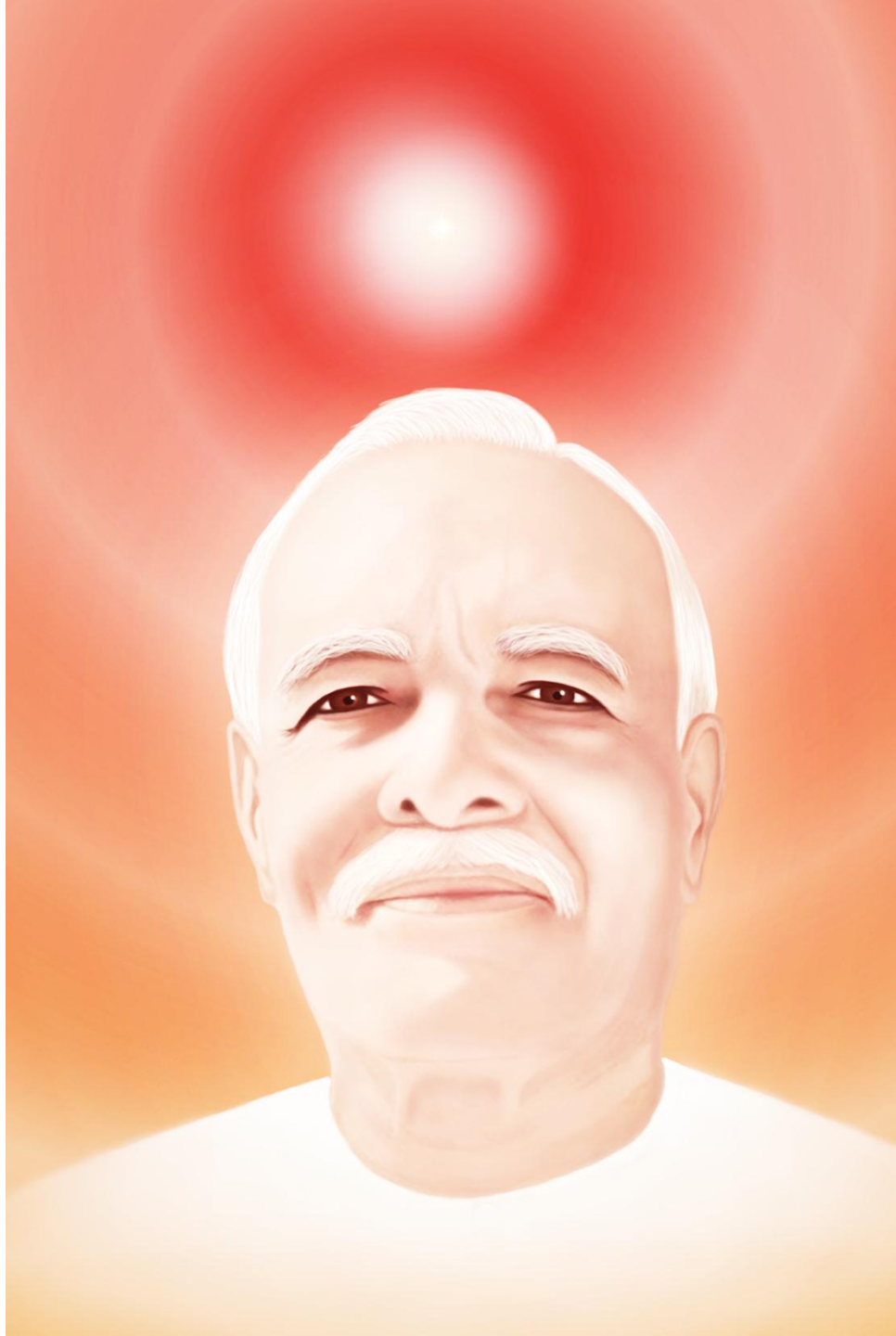

- अभी **पतित-पावन** बाप सम्मुख में आकर कहते हैं मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश हो जाएं । गैरंटी है ।

- **प्रभू** वा **ईश्वर निराकार** को ही कहेंगे । यहाँ तुम कहते हो **बाबा, परमपिता परमात्मा** हैं ।

- **अल्फ अल्लाह**, बे बादशाही-इतनी तो सिम्पल बात है । बाप को याद करो तो तुम स्वर्ग के मालिक बनेंगे । बरोबर यह लक्ष्मी-नारायण स्वर्ग के मालिक, सम्पूर्ण निर्विकारी थे । तो बाप को याद करने से ही तुम ऐसा सम्पूर्ण बनेंगे ।

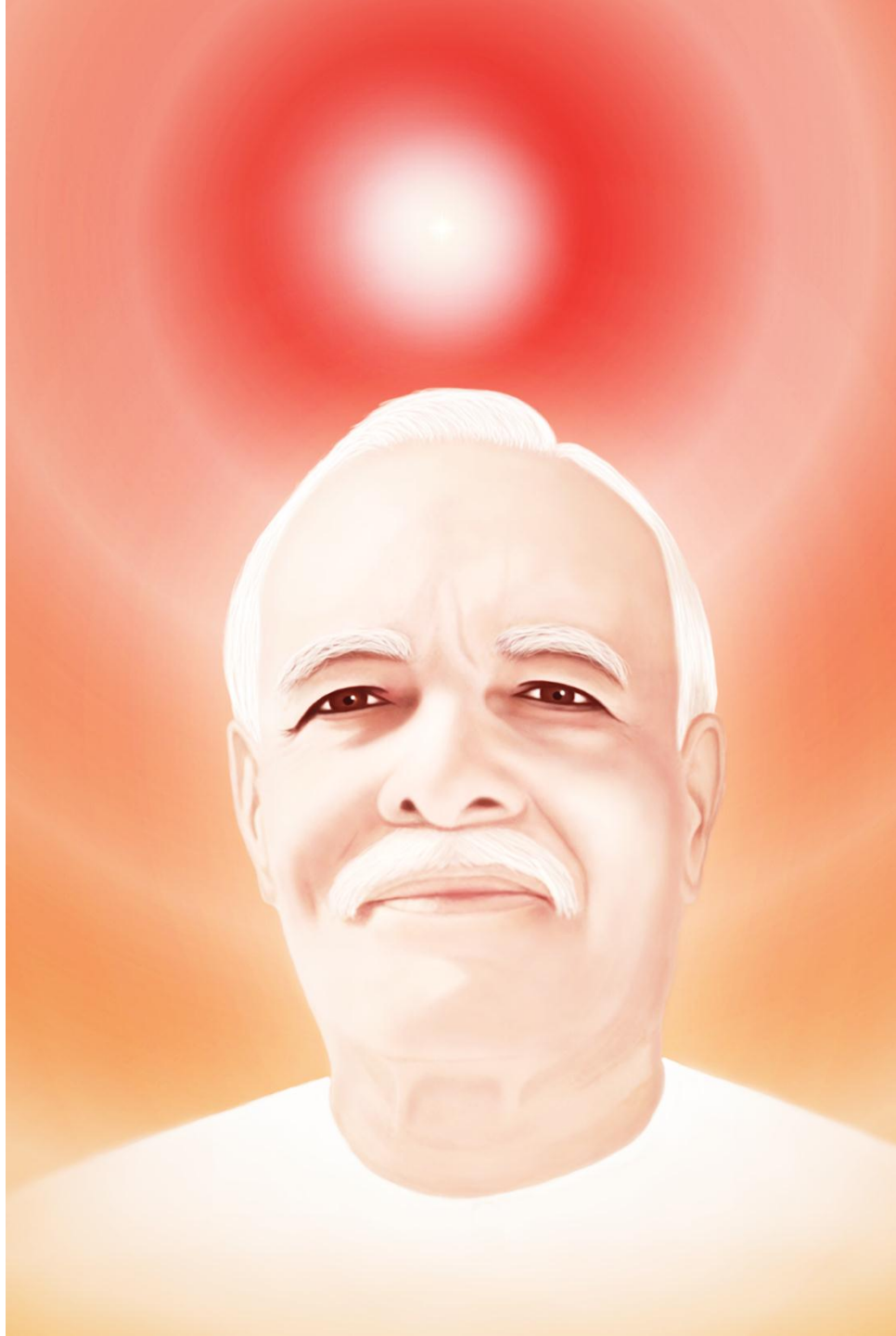

- यह गीत भी कोई ने तो बनवाये हैं । **बाप बुद्धिवानों की बुद्धि** है तो कोई की बुद्धि में आया है जो बैठ बनाया है ।

- **आत्माओं को पावन बनाने की शक्ति** एक बाप में है, और कोई पावन बना नहीं सकता ।

- **बेहद का बाप बेहद की बातें सुनाते** हैं, **बेहद का वर्सा** देते हैं । तुम बच्चों को कितनी न खुशी होनी चाहिए ।

- तो तुम सभी आशिक हो एक **माशूक** के । सब आशिक उस एक माशक को ही याद करते हैं । वह आकर सभी को सुख देते हैं ।